नाम..... पृष्ठों की कुल संख्या-.....

अनुक्रमांक.....

102 302(AX)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे **15** मिनट **]** **[**पूर्णांक : **100**

नोट : **i)** प्रारम्भ के **15** मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड–क

1. (क) 'बाल कृष्ण भट्ट' द्वारा सम्पादित पत्रिका है : 1

(i) आनन्द कादम्बिनी

(ii) हिन्दी प्रदीप

(iii) ब्राह्मण

(iv) दिनमान

(ख) 'डॉ० नागेन्द्र' की रचना है : 1

(i) साहित्यलोचन

(ii) साहित्य सहचर

(iii) त्रिवेणी

(iv) आलोचक की आस्था

(ग) 'काया कल्प सौजे वतन' किस विधा की रचना है : 1

(i) उपन्यास

(ii) निबन्ध

(iii) कहानी

(iv) आलोचना

(घ) 'भाग्य और पुरूषार्थ' के लेखक हैं: 1

(i) जैनेन्द्र कुमार

(ii) श्यामसुन्दर दास

(iii) गुलाबराय

(iv) विद्यानिवास मिश्र

(ङ) महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है : 1

(i) 'कविवचन सुधा'

(iii) 'भारतमित्र'

(ii) 'उचित वक्ता'

(iv) 'सरस्वती'

2. (क) 'सतसई' का रचना काल है : 1

(i) आदिकाल

(ii) भक्तिकाल

(iii) रीतिकाल

(iv) आधुनिक काल

(ख) 'राम की शक्ति पूजा' के रचयिता हैं: 1

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) 'अज्ञेय'

(ग) निम्नलिखित कवियों में कौन छायावादी कवि नहीं है : 1

(i) 'नागार्जुन'

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) जयशंकर प्रसाद

(iv) महादेवी वर्मा

(घ) निम्न में से रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस में रचना की है : 1

(i) घनानन्द

(ii) पद्माकर

(iii) बिहारीलाल

(iv) 'भूषण'

(ङ) 'द्वीर सप्तक' के सम्पादक थे : 1

(i) अज्ञेय

(ii) धर्मवीर भारती

(iii) 'दिनकर'

(iv) गिरजा कुमार माथुर

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

जन का प्रवाह अनन्त होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ाने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

(क) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) जन का प्रवाह का आशय लिखिए।
(ग) भूमि के साथ किसने तादात्म्य प्राप्त किया?
(घ) जन का जीवन किस तरह है?
(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं है। इसके लिए नये प्रयोगों की नयी भाव योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(क) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
(ख) भाषा किसका अटूट अंग है?
(ग) किसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है?
(घ) सांस्कृतिक हलचलें किसके लिए पर्याप्त नहीं हैं?
(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुखगात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत् की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान

कभी मत इसको जाओ भूल।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है?

(ग) रजनी किसका प्रतीक है?

(घ) सुख का नवल प्रभात कब आता है?

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

सुख भोग खोजने आते सब, आये तुम करने सत्य खोज।
जग की मिट्टी के पुतले जन, तुम आत्मा के मन के मनोज।
जड़ता हिंसा स्पर्धा में भर चेतना अहिंसा नम्र ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज।

(क) कवि और कविता का शीर्षक लिखिए।

(ख) मानव नश्वर संसार में आकर किसकी खोज करता है?

(ग) मनुष्य क्या है?

(घ) सत्य की खोज करने कौन आया?

(ङ) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) डॉ हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(iii) डॉ ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का नाम लिखिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iii) महादेवी वर्मा

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए। 5

अथवा 'ध्रुव-यात्रा' कहानी का उद्देश्य लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

(क) 'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा लिखिए।

अथवा 'कर्ण का चरित्र महान है।' 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'आलोक-वृत्त' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

अथवा 'त्यागपर्थी' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

8. दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 7

(क) संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि व्यासः कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भासभारविभवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वं च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्नमेव उपस्थितः सर्वविधम् साहाय्यञ्च अकरोत्। प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्।

(ख) दिए गए संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ।।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिवेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य क्रुद्धो भविष्यति।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोक कसेएक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1+1=2

(अ) आँख का तारा होना

(ब) नाक में नकेल डालना

(स) सावन हरे न भादों सूखे

(द) मक्खन लगाना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

परमाणु संपन्न देशों की तुलना में हम दशकों पीछे चल रहे हैं। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में विदेशी तकनीक का सहयोग एक यथार्थ है और इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। परमाणु समझौते के संदर्भ में ऐसी कोई दलील सही नहीं कि सब कुछ भारत के मन मुताबिक होना चाहिए। दो देशों के बीच होने वाले समझौते लेन-देन पर ही आधारित होते हैं। इस समझौते के संदर्भ में यह विस्मृत नहीं किया जाना चाहिए कि भारत को परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए बगैर वह सब कुछ मिलने जा रहा है जिससे वह एक लंबे अर्से से वंचित है। कुछ लोगों के लिए यह निराशा का कारण बन सकता है कि अमेरिका भारत को परमाणु संपन्न राष्ट्र का दर्जा देने के लिए तैयार नहीं, लेकिन यदि हम इस दर्जे को हासिल किए बगैर अपने सामरिक और आर्थिक हितों की रक्षा कर सकते हैं तो फिर समझदारी इसी में है कि जो कुछ उपलब्ध हो रहा है उसे प्राप्त किया जाए।

(i) प्रधानमंत्री की कौन-सी कोशिश स्वागत योग्य है? 1

(ii) अमेरिका को क्या सीधा संदेश देना चाहिए? 2

(iii) उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 2

अथवा

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है-बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

(i) 'चोर' की परिभाषा क्या है? 1

(ii) गाँधीजी पापी किसे मानते थे? 2

(iii) महात्मा गाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम सापेक्ष था-का आशय क्या है? 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) श्रवण-श्रमणः 1

(अ) पाप और पुण्य (ब) सज्जन और दुर्जन

(द) कान और भिक्षु (स) सावन और परिश्रमी

(ii) अंस-अशः 1

(अ) अंकुर और हिस्सा (ब) हिस्सा और अंकुर

(स) कंधा और हिस्सा (द) हिस्सा और कन्धा

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) अम्बर (ii) चपला (iii) जड़

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए : 1

(i) अनुकरण करने योग्यः

(A) अनुकरणीय (B) अमर

(C) अजर (D) अक्षय

(ii) वन में रहने वालाः 1

(A) वनवासी (B) नगरीय

(C) ग्रामीण (D) पहाड़ी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1+1=2

(i) महादेवी वर्मा विद्धान कवियित्री थी।

(ii) अध्यापक कक्षा में पढ़ा रही है।

(iii) तुम मेरे से मत बोलो।

(iv) मैं लड़के को पढ़ाया हूँ।

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2

13. छात्रवृत्ति हेतु बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए। 2+4=6

अथवा अपने गाँव की सफाई हेतु सम्बन्धित अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(क) बाढ़ की समस्या : कारण और निवारण

(ख) स्वच्छता अभियानः जन-जन का कल्याण

(ग) आरक्षण व्यवस्था : वरदान या अभिशाप

(घ) साहित्य में लोक मंगल की भावना

(ङ) कृषक-जीवन का यथार्थ स्वरूप।